विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

रूपम कुमारी ,वर्ग -दशम , विषय- हिंदी ✍

दिनांक-६/५/२०.

|| अध्ययन-सामग्री ||

जीवन-धारा ✍ .....

व्यक्ति की आधी से अधिक शक्ति वाणी का प्रयोग करने में व्यर्थ हो जाती है ।इसलिए जितना संभव हो सके ,मौन रहना चाहिए और इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अकारण ही हमारे द्वारा किसी का मौन न टूटे । अकारण बातें किसी से ना पूछें, अकारण जिज्ञासाएँ ना करें, व्यर्थ के सवाल ना उठाएं, किसी को व्यर्थ बातचीत में उलझाने की कोशिश ना करें ;क्योंकि उससे फायदा कम और नुकसान अधिक होता है ।

मौन का अर्थ है -कम बोलना और जितना आवश्यक है ,उतना बोलना।

वार्तालाप: बच्चों पिछले कई कक्षा से हम वाच्य को पढ़ते आ रहे हैं । वाच्य में हमने पढ़ा उसकी परिभाषा, उसके भेद तथा उनकी परिभाषा और एक वाच्य को दूसरे वाच्य से बदलने के नियम । आज उसी के अंतर्गत हम सीखेंगे कर्मवाच्य एवं भाव वाच्य को कर्तृवाच्य में बदलना ।जिस के कुछ उदाहरण में हां दे रही हूं–

पठन-पाठन :

कर्मवाच्य एवं भाव वाच्य से कर्तृवाच्य बनाने की विधि अन्य वाच्यों के बदलने की विधि से

ठीक विपरीत है । इसमें पहले कर्ता को पहचाने और के द्वारा या से को हटा दें तथा क्रिया का कर्तृवाच्य में प्रयोग करें। क्रिया का कर्तृवाच्य के अनुसार प्रयोग करने से तात्पर्य है _- जाना क्रिया को हटा दें तथा संयुक्त क्रिया को मुख्य क्रिया में बदलें । यहां हम कुछ उदाहरणों के द्वारा नियम को समझाने का प्रयास कर रहे हैं-

जैसे - कर्मवाच्य / भाववाच्य के वाच्य के वाक्य –

1. ***मुझे पत्र नहीं लिखा गया ।***
2. ***मीरा द्वारा कल पत्र लिखा जाएगा ।***
3. ***रीमा से पुस्तक पढ़ी जा रही है ।***
4. ***छात्रों द्वारा पत्र लिखा जाता है ।***

5. ***सरकार द्वारा शिक्षा पर बहुत ही खर्च किया जाता है ।.***

पाँचों वाक्यों को कर्तृवाच्य में कुछ इस प्रकार लिखेंगे -.

- ***मैंने पत्र नहीं लिखा ।***
- ***मीरा कल पत्र लिखेगी ।***
- ***रीमा पुस्तक पढ़ रही है ।***
- ***छात्र पत्र लिखते हैं ।***
- ***सरकार शिक्षा पर बहुत खर्च करती है ।.***

उपर्युक्त कर्तृवाच्य के वाक्यों में आपने देखा कि जाना क्रिया के हर रूप को हटा दिया गया है और संयुक्त क्रिया को खत्म कर एक ही

क्रिया को मुख्य क्रिया का रूप दिया गया है ।तथा कर्ता से **से** या **के द्वारा** को हटा दिया गया है ।

गृहकार्य :

दी गई अध्ययन सामग्री को अच्छी तरह पढ़ें व समझने का प्रयास करें तथा विकसित समझ के आधार पर 5 इस प्रकार के (जैसा कि आज बताया गया है)वाक्यों की रचना करें ।

पठन पाठन में उत्साह दिखाएं; जिसे आपके विद्यालय का प्रयास सफल होगा ।